अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : अप्रैल–मई 2022

परीक्षा का नाम : मध्यमा पूर्ण

विषय : कथ्थक

दि. 19/06/2022 समय : 3 घंटे (दोपहर : 2 से 5) कुल अंक : 100

सूचना : 1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है ।
2) कुल पाँच प्रश्न हल करे ।
3) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र.1 **लिपिबद्ध करें** (5 x 4 = 20)

a. तीनताल में फरमाईशी चक्करदार परन

(तिहाई का पहला, दूसरा, तीसरा धा सम पर)

b. एकताल में परन जुडी आमद

c. रुपक ताल में कवित्त

d. एकताल की एकगुन, दुगुन, तिगुन, चौगुन ।

प्र. 2 **रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।** (20 x 1 = 20)

1. अभिनय दर्पण के अनुसार कुल .....संयुक्त हस्त मुद्राएँ होती हैं।
2. स्वाभाविक स्थिति में रखी हुई भौंहे .....कहलाती हैं।
3. एक ओर से दुसरी ओर पुलतियों को चलाते हुए देखने को .....दृष्टि कहते हैं।
4. शिवजी के नृत्य को .....तथा पार्वती के नृत्य को .....नृत्य कहते हैं।
5. चार मात्राओं में छः मात्राए गिनने पर उस लय को .....लय कहते हैं।
6. अच्छन महाराज .....घराने से संबंध रखते है।

7. पहली, पाँचवी, नौंवी और ग्यारहवीं मात्रा पर ताली आती है उस ताल को..... ताल कहते हैं।
8. खाली को दर्शाने के लिए..... चिन्ह का उपयोग होता है।
9. बीहू.....प्रदेश का लोकनृत्य है।
10. जयपुर घराने के प्रथम प्रवर्तक..... थे।
11. कथक नृत्य का राष्ट्रीय संस्थान जिसे 'कथक केन्द्र' भी कहते हैं वह .....शहर में स्थित है।
12. पं. राजेन्द्र गंगानी जी के पिता और गुरु का नाम..... है ।
13. बनारस घराने का एक अन्य नाम.....भी है।
14. अंग प्रत्यंग तथा उपांगों के संचालन से निर्मित मुद्राओं और भंगिमाओं द्वारा.....अभिनय संपन्न होता है।
15. खाली से शुरू होने वाले ताल को.....ताल कहते हैं।
16. कालिया दमन प्रसंग मे कालिया नाग .....नदी में निवास करता है।
17. पक्षियो, मंजिरा, घुंघरु, खंजरी आदि की ध्वनियों से युक्त बोल को .....कहते हैं।
18. गोतिपुआ तथा किर्तन, नृत्य की .....परंपरा से संबंधित है।
19. भक्तिरस पर आधारित गीत, पद या रचना को..... कहते है ।
20. तिस्र जाति परन में ..... लय देखने मिलती है ।

प्र. 3 विस्तृत जानकारी दीजिए। (2 x 10 = 20)

1. कथक नृत्य की मंदिर परंपरा
2. कथक नृत्य की दरबार परंपरा

प्र. 4 कथक नृत्य के अध्ययन और अभ्यास की शारीरिक मानसिक और बौधिक उपयोगिता पर निबंध लिखिए । (20)

प्र. 5 **संक्षिप्त जानकारी दीजिए।** (5 x 4 = 20)

a. बनारस घराने की विशेषताएँ।

b. अभिनय की परिभाषा एवं प्रकार।

c. तांडव एवं लास्य की परिभाषा एवं प्रकार।

d. कालिया दमन की कथा।

प्र. 6 **विवरण दीजिए।** (5 x 4 = 20)

a. भौ संचालन के प्रकार तथा प्रयोग।

b. दृष्टि भेद के प्रकार तथा प्रयोग।

c. पं. जयलाल का जीवन परिचय।

d. पं. शंभू महाराज का जीवन परिचय।

प्र. 7 **संपूर्ण विवरण दीजिए। (कोई 2)** (10 x 2 = 20)

a. जयपुर तथा लखनऊ घराने की वंश परम्परा

b. तीनताल की पौनी तथा कुआडी लय लिपिबद्ध करें।

c. चक्र, सम्पुट, पाश, कीलक, मत्स्य, कूर्म, वराह, गरुड, नागबंध, खट्वा की परिभाषा एवंम् उपयोग बताईए।